

中文大辭典

第

十

冊

中文大辭典編纂委員會編纂

中文大辭典

第十冊

中國文化研究所印行

内部参考

批判使用

中文大辭典部首檢字表

宀	害	定	宋	宋	正	寬	宜	弘	宗	宝	実	宀	宀	宀	宀	宀	宀
7254	7257	7256	7255	7254	7253	7252	7251	7250	7249	7248	7247	7246	7245	7244			
三	三	三	三	三	三	三	三	三	一	一	一	一	一	一			
宀	宀		卯	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀
7273	7272		7271	7270	7269	7268	7267	7266	7265	7264	7263	7262	7261	7260	7259		
三	三		三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三
宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀
7289	7288	7287	7286	7285	7284	7283	7282	7281	7280	7279	7278	7277	7276	7275	7274		
毛	毛	毛	毛	毛	毛	毛	毛	毛	毛	毛	毛	毛	毛	毛	毛	毛	毛
害	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀
7304	7303	7302	7301	7300	7299	7298		7297	7296	7295	7294	7293	7292	7291	7290		
三	三	三	三	三	三	三		三	三	三	三	三	三	三	三	三	三
宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀
7320	7319	7318	7317	7316	7315	7314	7313	7312	7311	7310	7309	7308	7307	7306	7305		
宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀
宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀
7376	7375	7374	7373	7372	7371	7370	7369	7368	7367	7366	7365	7364	7363	7362	7361		
宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀
宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀
7351	7350	7349	7348	7347	7346	7345	7344	7343	7342	7341		7340	7339	7338	7337		
宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀		宀	宀	宀	宀	宀	宀
宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀	宀		宀	宀	宀	宀	宀	宀
7367	7366	7365	7364	7363	7362	7361	7360	7359	7358	7357	7356	7355	7354	7353	7352		
二	二	二	二	二	二	二	二	二	二	二	二	二	二	二	二	二	二

[illegible]

示 7633 二五	小 7632 二五	對 7631 二五	對 7630 二五	導 7629 二五	導 7628 二五	導 7627 二五	導 7626 二五	對 7625 二五	對 7624 二五	導 7623 二五
宋 7648 三〇	尖 7647 三〇	尪 7646 三〇	尪 7645 三〇	尖 7644 三〇	弁 7643 三〇	坐 7642 三〇	尪 7641 三〇	尪 7640 三〇	尪 7639 三〇	尪 7638 三〇
尪 7663 三八	尪 7662 三八	尪 7661 三八	尪 7660 三八	尪 7659 三八	尪 7658 三八	尪 7657 三八	尪 7656 三八	尪 7655 三八	尪 7654 三八	尪 7653 三八
尪 7679 三九	尪 7678 三九	尪 7677 三九	尪 7676 三九	尪 7675 三九	尪 7674 三九	尪 7673 三九	尪 7672 三九	尪 7671 三九	尪 7670 三九	尪 7669 三九
尪 7693 三〇	尪 7692 三〇	尪 7691 三〇	尪 7690 三〇	尪 7689 三〇	尪 7688 三〇	尪 7687 三〇	尪 7686 三〇	尪 7685 三〇	尪 7684 三〇	尪 7683 三〇
尪 7705 三三	尪 7704 三三	尪 7703 三三	尪 7702 三三	尪 7701 三三	尪 7700 三三	尪 7699 三三	尪 7698 三三	尪 7697 三三	尪 7696 三三	尪 7695 三三
尪 7721 三三	尪 7720 三三	尪 7719 三三	尪 7718 三三	尪 7717 三三	尪 7716 三三	尪 7715 三三	尪 7714 三三	尪 7713 三三	尪 7712 三三	尪 7711 三三
尪 7737 三五	尪 7736 三五	尪 7735 三五	尪 7734 三五	尪 7733 三五	尪 7732 三五	尪 7731 三五	尪 7730 三五	尪 7729 三五	尪 7728 三五	尪 7727 三五

𣎵	𣎵		𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵		𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵
7753	7752		7751	7750	7749	7748	7747	7746	7745	7744		7743	7742	7741	7740	7739	7738		
三	三		三	三	三	三	三	三	三	三		三	三	三	三	三	三	三	三

𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵
7770	7769	7768	7767	7766	7765	7764	7763	7762			7761	7760	7759	7758	7757	7756	7755	7754	
三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三

𣎵	𣎵		𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵
7785	7784		7783	7782	7781	7780			7779	7778	7777	7776	7775	7774	7773		7772	7771	
三	三		三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三

𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵
7798		7797		7796	7795			7794	7793	7792	7791	7790			7789	7788	7787	7786	
三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三

𣎵	𣎵		𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵
7812	7811		7810	7809	7808	7807	7806	7805	7804		7803	7802		7801	7800		7799	7798	7797
三	三		三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三

𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵
7829	7828	7827	7826	7825	7824	7823	7822	7821			7820	7819	7818	7817	7816	7815	7814	7813	
三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三

𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵
7846	7845	7844	7843	7842	7841	7840	7839	7838	7837	7836	7835	7834	7833	7832	7831		7830	7829	7828
三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三

𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵	𣎵
7853	7852	7851	7850	7849	7848	7847	7846	7845	7844	7843	7842		7841	7840	7839	7838	7837	7836	7835
三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三	三

[illegible]

𡵓	𡵔	𡵕	𡵖	𡵗	𡵘	𡵙	𡵚	𡵛	𡵜	𡵝	𡵞	𡵟	𡵠	𡵡	𡵢	𡵣	𡵤	𡵥	𡵦	𡵧	𡵨	𡵩	𡵪	𡵫	𡵬	𡵭	𡵮	𡵯	𡵰	𡵱	𡵲	𡵳	𡵴	𡵵	𡵶	𡵷	𡵸	𡵹	𡵺	𡵻	𡵼	𡵽	𡵾	𡵿	𡶀	𡶁	𡶂	𡶃	𡶄	𡶅	𡶆	𡶇	𡶈	𡶉	𡶊	𡶋	𡶌	𡶍	𡶎	𡶏	𡶐	𡶑	𡶒	𡶓	𡶔	𡶕	𡶖	𡶗	𡶘	𡶙	𡶚	𡶛	𡶜	𡶝	𡶞	𡶟	𡶠	𡶡	𡶢	𡶣	𡶤	𡶥	𡶦	𡶧	𡶨	𡶩	𡶪	𡶫	𡶬	𡶭	𡶮	𡶯	𡶰	𡶱	𡶲	𡶳	𡶴	𡶵	𡶶	𡶷	𡶸	𡶹	𡶺	𡶻	𡶼	𡶽	𡶾	𡶿	𡷀	𡷁	𡷂	𡷃	𡷄	𡷅	𡷆	𡷇	𡷈	𡷉	𡷊	𡷋	𡷌	𡷍	𡷎	𡷏	𡷐	𡷑	𡷒	𡷓	𡷔	𡷕	𡷖	𡷗	𡷘	𡷙	𡷚	𡷛	𡷜	𡷝	𡷞	𡷟	𡷠	𡷡	𡷢	𡷣	𡷤	𡷥	𡷦	𡷧	𡷨	𡷩	𡷪	𡷫	𡷬	𡷭	𡷮	𡷯	𡷰	𡷱	𡷲	𡷳	𡷴	𡷵	𡷶	𡷷	𡷸	𡷹	𡷺	𡷻	𡷼	𡷽	𡷾	𡷿	𡸀	𡸁	𡸂	𡸃	𡸄	𡸅	𡸆	𡸇	𡸈	𡸉	𡸊	𡸋	𡸌	𡸍	𡸎	𡸏	𡸐	𡸑	𡸒	𡸓	𡸔	𡸕	𡸖	𡸗	𡸘	𡸙	𡸚	𡸛	𡸜	𡸝	𡸞	𡸟	𡸠	𡸡	𡸢	𡸣	𡸤	𡸥	𡸦	𡸧	𡸨	𡸩	𡸪	𡸫	𡸬	𡸭	𡸮	𡸯	𡸰	𡸱	𡸲	𡸳	𡸴	𡸵	𡸶	𡸷	𡸸	𡸹	𡸺	𡸻	𡸼	𡸽	𡸾	𡸿	𡹀	𡹁	𡹂	𡹃	𡹄	𡹅	𡹆	𡹇	𡹈	𡹉	𡹊	𡹋	𡹌	𡹍	𡹎	𡹏	𡹐	𡹑	𡹒	𡹓	𡹔	𡹕	𡹖	𡹗	𡹘	𡹙	𡹚	𡹛	𡹜	𡹝	𡹞	𡹟	𡹠	𡹡	𡹢	𡹣	𡹤	𡹥	𡹦	𡹧	𡹨	𡹩	𡹪	𡹫	𡹬	𡹭	𡹮	𡹯	𡹰	𡹱	𡹲	𡹳	𡹴	𡹵	𡹶	𡹷	𡹸	𡹹	𡹺	𡹻	𡹼	𡹽	𡹾	𡹿	𡺀	𡺁	𡺂	𡺃	𡺄	𡺅	𡺆	𡺇	𡺈	𡺉	𡺊	𡺋	𡺌	𡺍	𡺎	𡺏	𡺐	𡺑	𡺒	𡺓	𡺔	𡺕	𡺖	𡺗	𡺘	𡺙	𡺚	𡺛	𡺜	𡺝	𡺞	𡺟	𡺠	𡺡	𡺢	𡺣	𡺤	𡺥	𡺦	𡺧	𡺨	𡺩	𡺪	𡺫	𡺬	𡺭	𡺮	𡺯	𡺰	𡺱	𡺲	𡺳	𡺴	𡺵	𡺶	𡺷	𡺸	𡺹	𡺺	𡺻	𡺼	𡺽	𡺾	𡺿	𡻀	𡻁	𡻂	𡻃	𡻄	𡻅	𡻆	𡻇	𡻈	𡻉	𡻊	𡻋	𡻌	𡻍	𡻎	𡻏	𡻐	𡻑	𡻒	𡻓	𡻔	𡻕	𡻖	𡻗	𡻘	𡻙	𡻚	𡻛	𡻜	𡻝	𡻞	𡻟	𡻠	𡻡	𡻢	𡻣	𡻤	𡻥	𡻦	𡻧	𡻨	𡻩	𡻪	𡻫	𡻬	𡻭	𡻮	𡻯	𡻰	𡻱	𡻲	𡻳	𡻴	𡻵	𡻶	𡻷	𡻸	𡻹	𡻺	𡻻	𡻼	𡻽	𡻾	𡻿	𡼀	𡼁	𡼂	𡼃	𡼄	𡼅	𡼆	𡼇	𡼈	𡼉	𡼊	𡼋	𡼌	𡼍	𡼎	𡼏	𡼐	𡼑	𡼒	𡼓	𡼔	𡼕	𡼖	𡼗	𡼘	𡼙	𡼚	𡼛	𡼜	𡼝	𡼞	𡼟	𡼠	𡼡	𡼢	𡼣	𡼤	𡼥	𡼦	𡼧	𡼨	𡼩	𡼪	𡼫	𡼬	𡼭	𡼮	𡼯	𡼰	𡼱	𡼲	𡼳	𡼴	𡼵	𡼶	𡼷	𡼸	𡼹	𡼺	𡼻	𡼼	𡼽	𡼾	𡼿	𡽀	𡽁	𡽂	𡽃	𡽄	𡽅	𡽆	𡽇	𡽈	𡽉	𡽊	𡽋	𡽌	𡽍	𡽎	𡽏	𡽐	𡽑	𡽒	𡽓	𡽔	𡽕	𡽖	𡽗	𡽘	𡽙	𡽚	𡽛	𡽜	𡽝	𡽞	𡽟	𡽠	𡽡	𡽢	𡽣	𡽤	𡽥	𡽦	𡽧	𡽨	𡽩	𡽪	𡽫	𡽬	𡽭	𡽮	𡽯	𡽰	𡽱	𡽲	𡽳	𡽴	𡽵	𡽶	𡽷	𡽸	𡽹	𡽺	𡽻	𡽼	𡽽	𡽾	𡽿	𡾀	𡾁	𡾂	𡾃	𡾄	𡾅	𡾆	𡾇	𡾈	𡾉	𡾊	𡾋	𡾌	𡾍	𡾎	𡾏	𡾐	𡾑	𡾒	𡾓	𡾔	𡾕	𡾖	𡾗	𡾘	𡾙	𡾚	𡾛	𡾜	𡾝	𡾞	𡾟	𡾠	𡾡	𡾢	𡾣	𡾤	𡾥	𡾦	𡾧	𡾨	𡾩	𡾪	𡾫	𡾬	𡾭	𡾮	𡾯	𡾰	𡾱	𡾲	𡾳	𡾴	𡾵	𡾶	𡾷	𡾸	𡾹	𡾺	𡾻	𡾼	𡾽	𡾾	𡾿	𡿀	𡿁	𡿂	𡿃	𡿄	𡿅	𡿆	𡿇	𡿈	𡿉	𡿊	𡿋	𡿌	𡿍	𡿎	𡿏	𡿐	𡿑	𡿒	𡿓	𡿔	𡿕	𡿖	𡿗	𡿘	𡿙	𡿚	𡿛	𡿜	𡿝	𡿞	𡿟	𡿠	𡿡	𡿢	𡿣	𡿤	𡿥	𡿦	𡿧	𡿨	𡿩	𡿪	𡿫	𡿬	𡿭	𡿮	𡿯	𡿰	𡿱	𡿲	𡿳	𡿴	𡿵	𡿶	𡿷	𡿸	𡿹	𡿺	𡿻	𡿼	𡿽	𡿾	𡿿	𢀀	𢀁	𢀂	𢀃	𢀄	𢀅	𢀆	𢀇	𢀈	𢀉	𢀊	𢀋	𢀌	𢀍	𢀎	𢀏	𢀐	𢀑	𢀒	𢀓	𢀔	𢀕	𢀖	𢀗	𢀘	𢀙	𢀚	𢀛	𢀜	𢀝	𢀞	𢀟	𢀠	𢀡	𢀢	𢀣	𢀤	𢀥	𢀦	𢀧	𢀨	𢀩	𢀪	𢀫	𢀬	𢀭	𢀮	𢀯	𢀰	𢀱	𢀲	𢀳	𢀴	𢀵	𢀶	𢀷	𢀸	𢀹	𢀺	𢀻	𢀼	𢀽	𢀾	𢀿	𢁀	𢁁	𢁂	𢁃	𢁄	𢁅	𢁆	𢁇	𢁈	𢁉	𢁊	𢁋	𢁌	𢁍	𢁎	𢁏	𢁐	𢁑	𢁒	𢁓	𢁔	𢁕	𢁖	𢁗	𢁘	𢁙	𢁚	𢁛	𢁜	𢁝	𢁞	𢁟	𢁠	𢁡	𢁢	𢁣	𢁤	𢁥	𢁦	𢁧	𢁨	𢁩	𢁪	𢁫	𢁬	𢁭	𢁮	𢁯	𢁰	𢁱	𢁲	𢁳	𢁴	𢁵	𢁶	𢁷	𢁸	𢁹	𢁺	𢁻	𢁼	𢁽	𢁾	𢁿	𢂀	𢂁	𢂂	𢂃	𢂄	𢂅	𢂆	𢂇	𢂈	𢂉	𢂊	𢂋	𢂌	𢂍	𢂎	𢂏	𢂐	𢂑	𢂒	𢂓	𢂔	𢂕	𢂖	𢂗	𢂘	𢂙	𢂚	𢂛	𢂜	𢂝	𢂞	𢂟	𢂠	𢂡	𢂢	𢂣	𢂤	𢂥	𢂦	𢂧	𢂨	𢂩	𢂪	𢂫	𢂬	𢂭	𢂮	𢂯	𢂰	𢂱	𢂲	𢂳	𢂴	𢂵	𢂶	𢂷	𢂸	𢂹	𢂺	𢂻	𢂼	𢂽	𢂾	𢂿	𢃀	𢃁	𢃂	𢃃	𢃄	𢃅	𢃆	𢃇	𢃈	𢃉	𢃊	𢃋	𢃌	𢃍	𢃎	𢃏	𢃐	𢃑	𢃒	𢃓	𢃔	𢃕	𢃖	𢃗	𢃘	𢃙	𢃚	𢃛	𢃜	𢃝	𢃞	𢃟	𢃠	𢃡	𢃢	𢃣	𢃤	𢃥	𢃦	𢃧	𢃨	𢃩	𢃪	𢃫	𢃬	𢃭	𢃮	𢃯	𢃰	𢃱	𢃲	𢃳	𢃴	𢃵	𢃶	𢃷	𢃸	𢃹	𢃺	𢃻	𢃼	𢃽	𢃾	𢃿	𢄀	𢄁	𢄂	𢄃	𢄄	𢄅	𢄆	𢄇	𢄈	𢄉	𢄊	𢄋	𢄌	𢄍	𢄎	𢄏	𢄐	𢄑	𢄒	𢄓	𢄔	𢄕	𢄖	𢄗	𢄘	𢄙	𢄚	𢄛	𢄜	𢄝	𢄞	𢄟	𢄠	𢄡	𢄢	𢄣	𢄤	𢄥	𢄦	𢄧	𢄨	𢄩	𢄪	𢄫	𢄬	𢄭	𢄮	𢄯	𢄰	𢄱	𢄲	𢄳	𢄴	𢄵	𢄶	𢄷	𢄸	𢄹	𢄺	𢄻	𢄼	𢄽	𢄾	𢄿	𢅀	𢅁	𢅂	𢅃	𢅄	𢅅	𢅆	𢅇	𢅈	𢅉	𢅊	𢅋	𢅌	𢅍	𢅎	𢅏	𢅐	𢅑	𢅒	𢅓	𢅔	𢅕	𢅖	𢅗	𢅘	𢅙	𢅚	𢅛	𢅜	𢅝	𢅞	𢅟	𢅠	𢅡	𢅢	𢅣	𢅤	𢅥	𢅦	𢅧	𢅨	𢅩	𢅪	𢅫	𢅬	𢅭	𢅮	𢅯	𢅰	𢅱	𢅲	𢅳	𢅴	𢅵	𢅶	𢅷	𢅸	𢅹	𢅺	𢅻	𢅼	𢅽	𢅾	𢅿	𢆀	𢆁	𢆂	𢆃	𢆄	𢆅	𢆆	𢆇	𢆈	𢆉	𢆊	𢆋	𢆌	𢆍	𢆎	𢆏	𢆐	𢆑	𢆒	𢆓	𢆔	𢆕	𢆖	𢆗	𢆘	𢆙	𢆚	𢆛	𢆜	𢆝	𢆞	𢆟	𢆠	𢆡	𢆢	𢆣	𢆤	𢆥	𢆦	𢆧	𢆨	𢆩	𢆪	𢆫	𢆬	𢆭	𢆮	𢆯	𢆰	𢆱	𢆲	𢆳	𢆴	𢆵	𢆶	𢆷	𢆸	𢆹	𢆺	𢆻	𢆼	𢆽	𢆾	𢆿	𢇀	𢇁	𢇂	𢇃	𢇄	𢇅	𢇆	𢇇	𢇈	𢇉	𢇊	𢇋	𢇌	𢇍	𢇎	𢇏	𢇐	𢇑	𢇒	𢇓	𢇔	𢇕	𢇖	𢇗	𢇘	𢇙	𢇚	𢇛	𢇜	𢇝	𢇞	𢇟	𢇠	𢇡	𢇢	𢇣	𢇤	𢇥	𢇦	𢇧	𢇨	𢇩	𢇪	𢇫	𢇬	𢇭	𢇮	𢇯	𢇰	𢇱	𢇲	𢇳	𢇴	𢇵	𢇶	𢇷	𢇸	𢇹	𢇺	𢇻	𢇼	𢇽	𢇾	𢇿	𢈀	𢈁	𢈂	𢈃	𢈄	𢈅	𢈆	𢈇	𢈈	𢈉	𢈊	𢈋	𢈌	𢈍	𢈎	𢈏	𢈐	𢈑	𢈒	𢈓	𢈔	𢈕	𢈖	𢈗	𢈘	𢈙	𢈚	𢈛	𢈜	𢈝	𢈞	𢈟	𢈠	𢈡	𢈢	𢈣	𢈤	𢈥	𢈦	𢈧	𢈨	𢈩	𢈪	𢈫	𢈬	𢈭	𢈮	𢈯	𢈰	𢈱	𢈲	𢈳	𢈴	𢈵	𢈶	𢈷	𢈸	𢈹	𢈺	𢈻	𢈼	𢈽	𢈾	𢈿	𢉀	𢉁	𢉂	𢉃	𢉄	𢉅	𢉆	𢉇	𢉈	𢉉	𢉊	𢉋	𢉌	𢉍	𢉎	𢉏	𢉐	𢉑	𢉒	𢉓	𢉔	𢉕	𢉖	𢉗	𢉘	𢉙	𢉚	𢉛	𢉜	𢉝	𢉞	𢉟	𢉠	𢉡	𢉢	𢉣	𢉤	𢉥	𢉦	𢉧	𢉨	𢉩	𢉪	𢉫	𢉬	𢉭	𢉮	𢉯	𢉰	𢉱	𢉲	𢉳	𢉴	𢉵	𢉶	𢉷	𢉸	𢉹	𢉺	𢉻	𢉼	𢉽	𢉾	𢉿	𢊀	𢊁	𢊂	𢊃	𢊄	𢊅	𢊆	𢊇	𢊈	𢊉	𢊊	𢊋	𢊌	𢊍	𢊎	𢊏	𢊐	𢊑	𢊒	𢊓	𢊔	𢊕	𢊖	𢊗	𢊘	𢊙	𢊚	𢊛	𢊜	𢊝	𢊞	𢊟	𢊠	𢊡	𢊢	𢊣	𢊤	𢊥	𢊦	𢊧	𢊨	𢊩	𢊪	𢊫	𢊬	𢊭	𢊮	𢊯	𢊰	𢊱	𢊲
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

[illegible]

[illegible]

[illegible]

【宗山】¹⁹ ●清，韓嶺人，隸屬內務府漢軍鑲黃旗，字獻梧，號

癡生，鍾齋，姓魯氏，官浙江候補同知，繼任浦同知，留憲北方文

獻，擅刻刻水齋集，書室名希晦堂，著有癡生鍾齋詩存，希晦堂

遺文彙著，見清史稿，四百九十一。●字號。●宋，曹岳之字。

●宋，陶崇之字。●明，沈壽崇之字。●清，殷岳之字。●清，

鄭世任之字。

【宗女】²⁰ ●同宗之女，謂皇室之女也。〔史記，晉世家〕以宗

女妻之。〔書唐書，樂志〕及漢武嫁宗女於烏孫，乃勸筆氏，爲

馬上樂。〔列女傳，賢明傳〕齊姜，齊桓公之宗女。〔清會典，宗

人府〕格格之等五，不入五等曰宗女。〔劉孝威詩〕宗女入

鄕。

【宗之】²¹ ●名號。●盛唐詩人，崔宗之也。〔杜甫，飲中八仙

歌〕宗之瀟灑美少年，舉觴白眼望青天。●南朝宋，孫法宗

之異名。●字號。●宋，陳起之字。●金，楊伯淵之字。

【宗文】²² ●字號。●南朝宋，徐湛之之字。●宋，鄭綺之字。

●明，孔公恂之字。●明，趙文之字。●清，師光祖之字。

【宗尹】²³ ●金，蘇保衡之字。

【宗王】²⁴ ●帝之宗族封王者也。〔沈約，恩倖傳論〕構造同

異，異禍禍國，帝弟宗王，相繼屠戮。

【宗元】²⁵ ●唐，曾祖，〔易略例〕統之有宗，曾之有元。

●名號。●唐，柳子厚之名。●宋，曾會之字。●明，賈凱之

字。●明，譚太初之字。

【宗元先生】²⁶ ●唐，吳筠之私諡。

【宗元集】²⁷ ●書名，三卷，附元調論，內丹九章經各一卷，唐，吳

筠撰，見四庫提要，集別類。

【宗元卿】²⁸ ●南齊，南陽人，字希卿，早孤，爲祖母所養，祖母病

死，卿在遺囑心痛，大病則大痛，小病則小痛，以此爲常，鄉里號

曰宗元子，見南史，七十三。

【宗元鼎】²⁹ ●清，江都人，字定九，號梅岑，小香居士，英慈齋，賣

花老人，嗜梅花，嘗有古梅一株，時人呼之宗郎梅，工詩，畫室

名新柳堂，著有芙蓉齋新柳堂集，見清史稿，四百八十九，清史

列傳，七十，國朝書獻類，四百二十三。

【宗元豫】³⁰ ●清，上元人，字子發，明諸生，隱居昭陽土室中，窮

訂經史，著史論數十篇，有識小錄，記二十一史瑣事，見國朝書

獻類，四百二十八。

【宗元饒】³¹ ●陳，江陵人，官御史中丞，見陳書，二十九，南史，六

十八。

【宗夫】³² ●梁人，景之子，字明揚，官太子右衛率，五兵尚書，見

梁書，十九，南史，三十七。

【宗五】³³ ●清，陳長鎮之字。

【宗支】³⁴ ●同宗族之支派也，與宗枝同。〔後漢書，桓帝紀〕

桓自宗支起，嗣天祚。〔皇朝文獻通考，學校考，宗學〕皇上薦

念宗支。〔福惠全書，蒞任部，發各告示〕稱本縣親友宗支，潛

藏境內。

【宗孔】³⁵ ●明，李仕魯之字。

【宗中千里駒】³⁶ ●一族中之俊秀者。〔宋書，自序〕沈正，字

元直，淹詳有器度，美風姿，善容止，好老莊之學，弱冠州府從事，

宗人光祿大夫，演之稱之曰，此宗中千里駒也。

【宗升】³⁷ ●清，張斐之初名。

【宗仁】³⁸ ●唐，書師德之字。

【宗化】³⁹ ●明，秦民悅之字。

【宗公】⁴⁰ ●宗廟先公也。〔詩，大雅，思齊〕惠于宗公，神罔時

怨。〔傳〕宗公，宗神也。〔疏〕宗公是宗廟先公，故傳云宗神。

【宗立】⁴¹ ●明，俞綱之字。

【宗主】⁴² ●一宗之主，指宗子而言。〔左氏，襄，二十七〕齊

崔杼生成及張，而棄，娶東郭姜，生明，東郭姜以狐入，曰，棠无咎，

與東郭偃相，崔氏，崔成有病而墮之，而立明，成請老于崔，崔子

許之，偃與无咎弗予，曰，崔宗也，必在宗主。〔注〕宗，宗廟

所在，宗主，謂崔明。〔疏〕謂神主之在宗廟者也。〔左氏，昭，十九

〕懼險宗主。〔注〕所主藏於宗廟，故曰宗主。●爲人所歸

仰者曰宗主。〔晉書，羊祜傳〕荀伯子上表曰，故太傅鍾平侯

羊祜，明懷濟，國之宗主。

【宗主國】⁴³ (Sovereign state) 一國使他國從屬之，

且有干預其內政外交之權利者曰宗主國。宗主國對於屬國

享有之權利，曰宗主權，如從前我國之於安南等是。

【宗玄】⁴⁴ ●唐，寶易直之字。

【宗必經】⁴⁵ ●宋，南昌人，字子文，號玉溪，景定進士，通判瑞州，

宋亡入元，世祖詔求江南人才，留夢炎等交薦，固辭，被至燕，繫

獄三歲放還，著有玉溪集，見宋季忠義錄，十六。

【宗玉】⁴⁶ ●字號。●明，白圭之字。●清，羅曰琮之字。

●清，羅人琮之字。

【宗司】⁴⁷ ●掌禮之官。〔左氏，哀，二十四〕女爲宗司，立夫人

國之大禮也。

【宗可】⁴⁸ ●宋，王大受之字。

【宗正】⁴⁹ ●官名，秦置，掌親屬，漢因之，平帝元始四年，更名

宗伯，東漢時曰宗正卿，以皇族任之，掌序錄王國嫡庶之次，及

諸皇室親屬遠近，隨代皆因其制，其官置唐曰宗正寺，元爲

大宗正府，明清曰宗人府，參見宗人條。〔史記，淮南王安傳〕

天子使宗正以符節，〔漢書，楚元王傳〕以元王子邸客爲

宗正。〔隋書，百官志〕後齊有大宗正寺，掌宗室屬籍。〔洛陽

伽藍記〕國子南有宗正寺。〔文獻通考，職官考，諸卿，宗正卿

〕周官小宗伯，掌三族之別，以辨其親疏，秦置正卿，掌親屬，漢

因之，更以敘九族，平帝元始四年，更名宗正。五年，又於郡國置

宗師，以糾皇室親族世氏，致教訓，選有德義者爲之，有冤失

職者，宗師得因郵亭上書，宗伯請以聞，常以正月賜宗伯帛十

匹，玉葬併宗伯於秩，後漢曰宗正卿一人，掌序錄王國嫡庶

之次，及諸皇室親屬遠近，郡國歲因計上皇族名籍，若有犯法，

當髡以上，先上諸宗正，宗正以聞乃報決，兩漢皆以皇族爲之，

不以他族，魏亦然，晉兼以庶姓，咸寧三年，又置宗師，以扶風王

亮爲之，使皇室戚屬奉率德義，所有施行，必令諮之，東晉省之

屬太常，宋齊不置宗正，梁天監七年，復置之，視列曹尚書，主皇

室外戚之籍，以皇族爲之，陳因之，後魏有宗正卿少卿，北齊亦

然，後周有宗師中大夫，屬太常，隋如北齊之制，唐肅宗二年，

改爲司宗，咸亨元年，復舊，光宅元年，改爲司馬，神龍初，復舊，麟一人，少卿二人，掌皇族外戚簿籍，及司名帳，領崇元署及諸陵太廟，聖元二十五年，制宗正等寺官屬，皆以皇族爲之，宋宗

正寺，判寺事，二人以宗姓兩制，以上充，闕則以宗姓朝官以上知丞事，掌李嗣諸院，宗正之事，司皇族之籍，「事物紀原」九寺卿少部，宗正，周官也，在周禮，實小宗伯之職，宋百官春秋曰，周封兄弟之國，十有五，同姓之官，三十有五，選其宗中之長而董正之，謂之宗正，秦因其說，置宗正，兩漢皆授皇族不雜姓，晉始兼庶姓也，舊唐志曰，星經有宗正，在帝座東南，漢高紀七年二月，置宗正官，以序九族，「星名」一作宗政，參見宗大夫條，「晉書·天文志」，宗正二星，在帝座東南，宗大夫也，「星經」

「宗正二星，在帝座東南。」復姓，「通志·氏族略」，以官爲氏，「宗正氏」，狀稱本劉氏，楚元王交之孫劉德爲宗正，支孫氏焉，「宗孫宗正珍孫」，唐有殿中少監宗正卿，濟陰人。

【宗古】³⁹ 宋，孫奭之字。

【宗本】⁴⁰ 根本也。猶人之宗，木之本也。「孝經·開宗明義章第一疏」，此章開張一經之宗本，顯明五孝之義理。明王源之字。

【宗石】⁴¹ 晉，李陽之字。

【宗召】⁴² 宋，饒虎臣之字。

【宗布】⁴³ 祭星也。又被除災害之神。「淮南子·汜論訓」，羿除天下之害，死而爲宗布。「注」，有功於天下，故死，託祀於宗布，祭星爲布，宗布謂此也。

【宗兄】⁴⁴ 古者庶子稱嫡子之年長于己者。「禮記·曾子問」，其離於嫡，宗兄，宗弟，宗子在他國，使某辭。長兄也。「王維·留別山中溫古上人兄并示舍弟縉詩」，舍弟官崇高宗兄此創髮。同宗之兄也。「韓愈·考工員外盧君墓表」，愍之宗兄，故起居舍人君。「白居易·覺聖賢」，壽安令白吳子宗兄也。

【宗台】⁴⁵ 宋，黃以觀之字。

【宗生】⁴⁶ 叢生也。「揚雄·蜀都賦」，其竹則鋪龍筆，野篠

紛，宗生，族後，俊茂豐美。「文選·左思·吳都賦」，宗生高岡，族茂幽阜。

【宗白】⁴⁷ 宋，大名人。字太素。開寶中，授渭南令。壽使尙氣節，重交遊。後太宗召知諫院，見尙友錄，一。趙時賞之字。

【宗丘】⁴⁸ 春秋，楚地名。今湖北省秭歸縣。「左氏昭十四」，閉上國之兵於宗丘。

【宗守】⁴⁹ 謂國家宗廟所守，以喻主權也。「文選·王粲·贈士孫文始詩」，宗守遺失。「注」，濟曰，宗守，謂國家宗廟所守。

【宗安】⁵⁰ 明，沈東之字。

【宗夷】⁵¹ 即豐夷也。豐字作宗，蓋草書形似而誤。「詩言，孝至」，宗夷猶夏，顧迫王人，屈國喪師，無次也。

【宗吉】⁵² 明，羅佑之字。

【宗老】⁵³ 家臣之主禮樂者。「國語·楚語」，召其宗老。「國語·魯語」，公父文伯之母，欲室文伯，娶其宗老。「注」，家臣稱老，宗人，主禮樂者也。繼同族中之尊長者。「南史·蕭琛傳」，琛爲侍中，梁武帝呼爲宗老。

【宗旨】⁵⁴ 主要旨趣也。按今人謂行事主意所在，亦曰宗旨。「詩道歌」，建法幢，立宗旨。「傳習錄·語錄」，若不知立宗旨，只管說一箇兩箇。佛家語，宗教之主意，宗門裡旨也。「宋書·夷蠻傳」，宗旨而闕，後言論隔。「神僧傳」，佛圖澄妙解深經，旁通世論，講說之日，正觀宗旨，使始末文言，昭然可了。

【宗臣】⁵⁵ 宗族之臣。「國語·魯語下」，男女之屬，下及宗臣。爲世所宗仰之臣也。「漢書·蕭何曹參傳贊」，聲施後世，爲一代宗臣。「注」，言爲後世之所宗仰，故曰宗臣也。「文選·陸機·漢高祖功臣頌」，是謂宗臣。「杜甫·詠懷古跡詩」，諸葛大名垂宇宙，宗臣遺像肅清高。明，揚州人。字子相。嘉靖進士。嘉靖七千之一，官福建布政參議。著有宗子相集。見明史，二百八十七。萬斯同明史，三百八十八。明史稿，二百六十八。明詩綜，四十六。宋，曹冠之字。

【宗匠】⁵⁶ 工人之長也。宗者，歸仰也。匠者，大匠也。凡陶冶器才爲宗匠所歸者，皆稱宗匠，謂如大匠之指導，役，莫不尊仰也。「晉書·范曄傳」，蕭梁之宗匠。「隋書·儒林傳」，爲宗匠。「文選·袁宏·三國名臣序贊」，提綱之與千戈，文選之與武功，莫不宗匠陶鈞，而華才錯照。「杜甫·八哀詩」，射君東堂策，宗匠集精選。佛家語，宗師巧說法，成後昆，如工匠之磨其徒，故謂之宗匠。「貞元錄，十八」，宗匠成教，軌範賢明。

【宗匠體】⁵⁷ 明，平王禮所定樂府十五體之一。按此就文章之派別而言也。「太和正音譜」，宗匠體，詞林老作之詞。即宗室也。「管子·權言」，賢大夫不恃宗室，士不恃外權。

【宗有】⁵⁸ 明，伊慎之字。

【宗先】⁵⁹ 元，閔本之字。

【宗仰】⁶⁰ 尊仰也。「晉書·范曄傳」，常以簡語爲樂，讀國策連等，皆聞風宗仰。「北史·儒林·徐遵明傳」，講學於外，二十餘年，海內莫不宗仰。「唐書·蓋文懿傳」，遠近宗仰。

【宗如周】⁶¹ 北周，南陽人。官度支尙書。見周書，四十八。

【宗文】⁶² 鎮名。在山西省陽縣之北二十里。

【宗行】⁶³ 明，葉宗人之字。

【宗良】⁶⁴ 字號。後魏，游祥之字。明，朱多燦之字。

【宗弟】⁶⁵ 古時庶子稱嫡子之年幼於己者曰宗弟，今俗又稱同宗之弟曰宗弟。「禮記·曾子問」，其離於嫡，曰宗兄，宗弟，宗子在他國，使某辭。「疏」，宗兄，宗弟，宗子在他國，不得親祭。

【宗甫】⁶⁶ 明，孫維城之字。

【宗均】⁶⁷ 後漢人。曾繼馬援，受單程降，平羣蠻。「後漢書·南蠻傳」，建武二十四年，相單程等下攻臨沅，明年春，遣伏波將軍馬援等，將兵至臨沅，擊破之，單程等飢困乞降，會援病卒，闕者宗均聽悉受降，爲復吏司，羣蠻遂平。

【宗孝】⁶⁸ 明，汪景純之字。

【宗杞】⁶⁹ 元，大都人。年十九，喪父哀，甫三日成疾，杞有繼母，自度不起，囑妻楊氏曰，汝善守志事吾母，遂卒。楊氏遺腹生一男，八稱孝感。見元史，一百九十七。

【宗邑】⁷⁰ 宗廟所在也。「左氏襄，二十七」，崔，宗邑也。「注